जयपुर (राजस्थान) से प्रकाशित एवं दिल्ली, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, बिहार, हिमाचल प्रदेश और झारखण्ड राज्यों में प्रसारित

(DAVP-CODE No. 120390) भारत सरकार का रजि. नं. 10311/1965

साप्ताहिक

हमारा वतन

देश का अपना अखबार

ہمارا وطن ہفت روزہ

संस्थापित 1965

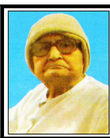

संस्थापक
स्व. श्री राजेन्द्र कुमार 'अजेय'
स्वतंत्रता सेनानी

संरक्षक
बाबू लाल सैनी

सम्पादक
राम गोपाल सैनी

www.hamarawatan.com FOLLOW US:- Hamarawatan | Hamarawatan65 | Hamarawatan3 | Hamarawatan

वर्ष- 59 | अंक-2 | जयपुर, सोमवार, 9 जनवरी, 2023 | वार्षिक शुल्क 200 रुपये (एक प्रति 4 रु.) | पृष्ठ संख्या 4

गोवंश संरक्षण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध - मुख्यमंत्री

सागवाड़ा में श्री गौ-कृपा कथा नव्य महोत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री-250 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण-शिलान्यास

डूंगरपुर (हमारा वतन)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार गायों और गोवंश के संरक्षण के लिए संकल्पित है और इसके लिए हर स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गत कार्यकाल में राजस्थान में गो संरक्षण व संवर्धन के लिए देश का पहला निदेशालय बनाया गया था। बाद में निदेशालय को विभाग में क्रमोन्नत कर दिया गया। गहलोत डूंगरपुर जिले के सागवाड़ा में आयोजित श्री गौ-कृपा कथा नव्य महोत्सव को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गोशालाओं को साल में 9 महीने अनुदान देने वाला राजस्थान एकमात्र राज्य है। राज्य सरकार ने लम्पी स्किन डिजीज की प्रभावी रोकथाम कर गोवंश के संरक्षण का कार्य किया। प्राचीन काल से ही हमारे समाज में गाय को गोमाता का दर्जा दिया गया है। राज्य सरकार गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए निरंतर कार्य कर रही है। हर पंचायत स्तर पर नंदी गोशालाओं को खोलने का निर्णय इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। गोशाला खोलने के नियमों में भी

सरकार ने शिथिलता प्रदान करते हुए गोशाला खोलने के लिए आमजन को प्रेरित करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पशुपालकों के हितों का ध्यान रखते हुए दूध पर प्रति लीटर 5 रूपये का अनुदान दे रही है। समाज में गोवंश संरक्षण के प्रति जागृति उत्पन्न करने में गोकथा जैसे आयोजनों की अहम भूमिका है। गहलोत ने सागवाड़ा विधानसभा क्षेत्र को बड़ी सौगात देते हुए लगभग 250 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इनमें 16.80 करोड़ रुपए की लागत से सागवाड़ा-कोकापुर-पादरा-पुनाली मार्ग पर 24 किमी. सड़क तथा 4.04 करोड़ की लागत से सागवाड़ा नगरपालिका में विभिन्न स्थानों पर सीसी एवं डामर सड़क कार्यों का उद्घाटन तथा 60 करोड़ रूपए की लागत से उदयपुर बांसवाड़ा राज्य मार्ग पर हाईलेवल ब्रिज, 32 करोड़ की लागत से माण्डली-सीमलवाड़ा-धम्बोला-खड़गदा-भिलुड़ा तक 31 किमी सड़क सहित विभिन्न विकास कार्यों के शिलान्यास शामिल हैं। पूर्व शिक्षा मंत्री गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि गोवंश के संरक्षण में राज्य सरकार की ओर से कमी नहीं रखी जाएगी। राज्य सरकार की ओर से गोशाला खोलने में आने वाली समस्त अड़चनों को दूर करने के लिए कई तरह की छूट दी जा रही है। मुख्यमंत्री पशुधन निशुल्क दवा योजना के तहत पशुओं के लिए भी दवाएं मुफ्त उपलब्ध करवा रही है।

राजस्थान के तीन शहरों में 5 जी की शुरुआत, सीएम गहलोत ने जयपुर में लॉन्च की जियो सर्विस

जयपुर (हमारा वतन)। राजस्थान में 5जी का इंतजार खत्म हो गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर से तीन शहरों में रिलायंस जियो की सर्विस को लॉन्च किया। भामाशाह टेक्नो हब में गहलोत ने बटन दबाकर जियो सर्विसेज की शुरुआत की। कंपनी आज से राजस्थान के जयपुर, जोधपुर और उदयपुर में इस सर्विस को स्टार्ट कर रहा है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान में सबसे ज्यादा डेटा यूज हो रहा है इसके अपने मायने में है। अब आपको चाहिए कि एक टारगेट सेट कर गांव-गांव तक 5जी सर्विस पहुंचाई जाए। लॉन्चिंग कार्यक्रम में रिलायंस के राजस्थान हेड उमेश भंडारी ने कहा- भारत में हर जगह दिसंबर 2023 तक 5जी सर्विस शुरू कर देंगे। जियो राजस्थान में 18 हजार टावर लगा चुका है। उन्होंने कहा कि इस महीने के लास्ट तक कोटा में भी 5जी सर्विस शुरू

की जाएगी। इसके बाद फरवरी में बीकानेर और अजमेर में भी यूजर्स को सर्विस का फायदा मिलेगा।

इसमें फास्ट स्पीड से इंटरनेट मिलेगा, जिससे यूजर्स 4जीबी तक की मूवी या फाइल को महज 5 सेकेंड में डाउनलोड कर सकेंगे। कंपनी का दावा है कि इन शहरों में आज से मोबाइल यूजर्स को इंटरनेट की 1000 MBPS की स्पीड मिलेगी। हालांकि, इस सर्विस को ऑफिशियल तौर पर कंपनी पिछले दिनों राजसमंद के नाथद्वारा से शुरू कर चुकी है।

गहलोत ने कहा कि- जियो ने टेलीफोन सेक्टर में क्रांति ला दी है। हमने ही सबसे पहले जियो को फाइबर ऑप्टिकल लाइन बिछाने के लिए आउट ऑफ टर्म जाकर अनुमति दी थी। उन्होंने कहा कि लोग राजीव गांधी के समय बोलते थे कि इंटरनेट ओर कॉम्प्यूटर क्रांति से लोग बेरोजगार हो जाएंगे, लेकिन आज क्या इसका फायदा मिल रहा है ये आप सब देख रहे हैं।

कंपनी का दावा है कि 5जी शुरू करने के बाद लेटेंसी की शिकायत बिल्कुल कम या कहें न के बराबर हो जाएगी। टेली कम्युनिकेशन की भाषा में लेटेंसी वो समय है जो डाटा (सूचना) को एक बिंदु से दूसरे बिंदु तक पहुंचाने में समय लगता है। आम आदमी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और डाटा कॉलिंग के समय लेटेंसी या कहें होने वाले देरी से परेशान रहता है।

हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स जिला स्तरीय ध्रुपद निपुण प्रशिक्षण शिविर का समापन

उदयपुर (हमारा वतन)। हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स राजस्थान राज्य, मुख्यालय उदयपुर के तत्वाधान पांच दिवसीय आवासीय ध्रूपद प्रशिक्षण एवं निपुण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन महावीर जैन कॉलेज विद्यालय संस्थान कीर की चौकी उदयपुर में हुआ । शिविर संचालक गौरव सालवी डिस्ट्रिक्ट ऑर्गेनाइजर उदयपुर ने बताया कि शिविर में उदयपुर जिले के विभिन्न राजकीय एवं निजी विद्यालयों के स्काउट गाइड रोवर रेंजर ने भाग लिया। शिविर में स्काउटिंग की विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया गया । जिसमें स्काउटिंग के बेसिक कोर्स सहित ध्रुपद एवं निपुण का प्रशिक्षण दिया गया । स्काउटिंग की विभिन्न विधाओं ,प्रोजेक्ट्स, गैजेट्स, प्राथमिक चिकित्सा, स्काउटिंग के मूल उद्देश्य के साथ बालक की प्रथम पाठशाला के अनुरूप प्रशिक्षण एवं प्रातः योग्य का प्रशिक्षण दिया गया । संध्या काल में शिविरार्थियों की थकान को दूर करने के लिए रात्रि में कैंफायर का आयोजन किया जाता है । शिविर में दक्ष प्रशिक्षक लाल वर्मा, देवेंद्र औदीच्य, अनुराधा सोलंकी गाइड, प्रकाश चंद्र कटारा आदि के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया ।

लोनिया हॉस्पिटल एंड फर्टिलिटी सेंटर ने आयोजित किया निःशुल्क चिकित्सा परामर्श

रींगस (हमारा वतन)। चौमूं शहर के कचोलिया रोड, बचपन स्कूल के पास स्थित लोनिया हॉस्पिटल एंड फर्टिलिटी सेंटर द्वारा एकदिवसीय निःशुल्क चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन रींगस स्थित चौमूं पुरोहितान में किया गया । लोनिया हॉस्पिटल के निदेशक डॉ.धर्मराज सिंह लोनिया ने बताया कि शिविर में कुल 107 मरीजों का ईलाज किया गया व शिविर में आए लोगों को बिमारी व आपातकालीन स्थिति से बचाव के टिप्स बताये गये । इस दौरान प्रबंधक अमर सिंह यादव समेत कई ग्रामीण व मेडिकल टीम मौजूद रहे ।

लोनिया हॉस्पिटल एंड फर्टिलिटी सेंटर

कचौलिया रोड, मगध नगर, बचपन स्कूल के पास चौमूं, जयपुर

क्या आप अभी तक मातृत्व सुख से वंचित हैं ? तो हमसे मिलें !

सुरक्षित नॉर्मल, सिजेरियन डिलीवरी

निदेशक
डॉ.धर्मराज सिंह लोनिया

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा

निःसंतानता अब अभिशाप नहीं, पाएँ मातृत्व का सुख !

संपर्क - 9636247286, 9928747286

फ्री परामर्श

सभी प्रकार की जांच और दवाइयों पर 20 प्रतिशत की छूट

यूईएम जयपुर में हुआ दो दिवसीय शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए नौकरी मेले का आयोजन

जयपुर (हमारा वतन)। राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड (उत्तरी क्षेत्र) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार व यूनिवर्सिटी ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट,(यूईएम),जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में यूईएम,जयपुर कैंपस में दो दिवसीय (दिनांक 5 और 6 जनवरी 2023) को राजस्थान के सबसे बड़े प्लेसमेंट (नौकरी) शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए नौकरी मेला 2023 (रोजगार शिविर) का माँ सरस्वती की प्रतिमा के सामने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड के निदेशक एस के मेहता, सहायक निदेशक मानस खवास , यूनिवर्सिटी के वाईस चांसलर प्रो डॉ बिस्वेजॉय चटर्जी , रजिस्ट्रार प्रदीप कुमार शर्मा , डीन अनिरुद्ध मुख़र्जी , उप निदेशक परियोजना- संदीप कुमार अग्रवाल आदि शामिल हुए।

शिक्षुता प्रशिक्षण (रोजगार मेले) में कुल 25 मल्टीनेशनल कंपनियां शामिल हो रही है साथ ही साथ लगभग 1830 विद्यार्थी जो अनेको राज्यों के है ने रजिस्ट्रेशन किया

है। इसमें हजारों विद्यार्थी प्रशिक्षण के लिए साक्षात्कार में शामिल हुए ।

राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण बोर्ड (उत्तरी क्षेत्र) शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के निदेशक एस के मेहता ने बताया की 1 साल की ट्रेनिंग के बाद विद्यार्थी को अनेको अच्छी अच्छी कंपनियों में नौकरी के अवसर प्राप्त होते है जिसमे विद्यार्थी को अच्छी सैलरी भी मिलती है। निदेशक मानस खवास ने बताया की विभाग पुरे देश में काम करता है जिसका राजस्थान में जयपुर के रूम न. 10, महिला आईटीआई के सामने, बनीपार्क जयपुर में भी ऑफिस है और इसकी वेबसाइट www.boatnr.org व www.mhrdnats.gov.in है, जिस पर अधिक जानकारी के लॉगिन कर सकते है। यूनिवर्सिटी उप निदेशक परियोजना संदीप कुमार अग्रवाल ने बताया की शिक्षुता प्रशिक्षण के लिए नौकरी मेला 2023 (रोजगार शिविर) में इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी/फार्मास्यूटिकल्स/सामान्य स्ट्रीम जैसे बी.ए., बी.एससी., बी.कॉम, बीबीए, बीसीए इत्यादि में स्नातक/तकनीशियन अपरेंटिस के रूप में स्नातक/तकनीकी अपरेंटिस के रूप में उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा राज्यों के वर्ष 2020, 2021 व 2022 के उत्तीर्ण पात्र स्नातक विद्यार्थी शामिल हुए ।

उपरोक्त राष्ट्रीय शिक्षुता प्रशिक्षण योजना(एनएटीएस)में भाग लेने वाली कुछ

कंपनियों में जैसेः बॉश लिमिटेड, याजाकी इंडिया प्रा. लिमिटेड, मयूर यूनिकोटेर्स, जॉयसन आनंद अभिषेक सेफ्टी प्रा. लिमिटेड, केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड, पिनेकल इन्फोटेक सॉल्यूशंस, हिंदवेयर लिमिटेड, एसके फाइनेंस लिमिटेड, पीपुल्स इंडिया,जॉयसन आनंद मोबिलिटी प्रा. लिमिटेड, ऑरिग्न आईटी कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड , सम्वर्धना मदरसन, हावेल्स इंडिया आदि कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया है। शिक्षुता प्रशिक्षण, रोजगार मेले में यूनिवर्सिटी के अनेको विभागों के प्रमुख, प्रोफेसर्स, स्टाफ सदस्यों साथ प्लेसमेंट विभाग के अनीश विश्वनाथ, शंकर सिंह, सचिन पांडेय , राजा सरकार आदि शामिल हुए।

रुक्क्षमणी कुमारी ने दी सामोद दुर्घटना पीड़ितों को सांत्वना

सामोद (हमारा वतन)। पलसाना में हुई दुर्घटना में चौमूं विधानसभा के सामोद से 8 व्यक्तियों की मृत्यु का समाचार पाकर ऑल इंडिया प्रोफशनल कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष रुक्क्षमणी कुमारी ने शोकाकुल परिवार से मुलाक़ात की और हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया । मौके पर ही अधिकारीयों से बात कर परिवार को सरकारी सुविधाएं देने का आग्रह किया ।

दिवंगत पुण्य आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

अमरपुरा में आयोजित हुआ करोड़ों रुपयों के विकास कार्यो का लोकार्पण,शिलान्यास और भामाशाह शिक्षक का विदाई समारोह

जयपुर (हमारा वतन)। ग्राम पंचायत अमरपुरा स्थित राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास और भामाशाह शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि शाहपुरा विधायक आलोक बेनीवाल ने कहा कि विकास कार्यों में धन की कमी नहीं आने दी जाएगी साथ ही बिजली, पानी व सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं की भी कमी नहीं आएगी । इस दौरान बेनीवाल ने विधायक कोटे से विद्यालय में कमरों का निर्माण करवाने की घोषणा की । कार्यक्रम की अध्यक्षता अमरपुरा सरपंच गजानंद यादव ने की । कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने ग्राम पंचायत अमरपुरा के 2 करोड 31 लाख रुपए की लागत से होने वाले विकास कार्यों का लोकार्पण किया एवं राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की शिलान्यास पट्टिका का अनावरण किया ।

समारोह में सेवानिवृत्त वाइस प्रिंसिपल जगदीश प्रसाद जाट का विधायक ने उत्कृष्ट कार्य करने पर माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया । गौरतलब है कि वाइस प्रिंसिपल जगदीश प्रसाद जाट ने स्कूल के रंग रोगन करने के लिए अपना 1 माह का वेतन दान किया है । आयोजकों ने सभी अतिथियों का माला और साफा पहनाकर स्वागत सम्मान किया । पूर्व जिला पार्षद महेंद्र चौधरी ने बताया कि विधायक आलोक बेनीवाल ने 5 साल से पेंडिंग चल रहे पीएचसी भवन के निर्माण की नींव रखी ।

इस मौके पर अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य, डॉ. हनुमान बराला, समाजसेवी लालचंद झाझड़ा, शाहपुरा उप प्रधान जेपी मान, सीबीओ राम सिंह मीणा, प्रधानाचार्य सुभाष शर्मा, राजकीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी विनोद रोलानिया, सामोद पुलिस थाना प्रभारी पूजा पूनिया, अमरसर थाना प्रभारी अशोक झाझडिया , समाजसेवी कालूराम झाझडीया, सरपंच प्रतिनिधि वेदप्रकाश खेदड़, पूर्व सरपंच जगदीश डूडी, पंचायत समिति सदस्य हरफूल कुमावत, मोहन मीणा, रामेश्वर घोसलिया, जिला परिषद सदस्य रिछपाल कुलदीप, विनोद सैनी, गजानंद बागड़ा, विनोद शर्मा सहित अनेक लोग उपस्थित रहे ।

राज्य स्तर पर हुआ मनीष मिटावा का चयन

विराटनगर (हमारा वतन)। किसान हित के लिए केंद्र सरकार द्वारा चालू किये गए महत्त्वकांक्षी योजना कृषक उत्पादक कंपनी FPO के शासन, प्रबंधन, अनुपालन तथा संचालन की विधि के विषय पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त देश के सबसे बड़े संस्थान बर्ड जोकि नाबार्ड का एक हिस्सा है जिसमें अध्ययन हेतु स्वैच्छिक संगठन इंडियन ग्रामीण सर्विस संस्था के कार्यकारी अधिकारी मनीष मिटावा को राज्य स्तर पर चुना गया। केंद्र सरकार किसान और कृषि को आगे बढ़ाने के लिए अगले पांच साल के लिए 5000 करोड़ रुपये खर्च कर किसानों को आर्थिक सहायता देकर उन्हें समृद्ध बनाने की योजना चला रही है। इसके लिए उन्हें एक कंपनी बनाकर 10,000 नए किसान उत्पादक संगठन बनाने की मंजूरी भी मिल गयी है, एफपीओ यानी किसानी उत्पादक संगठन (कृषक उत्पादक कंपनी) किसानों का एक समूह होगा, जो कृषि उत्पादन कार्य में लगा हो और कृषि से जुड़ी व्यावसायिक गतिविधियां चलाएगा। इससे आम किसानों को होगा सीधा फायदा, एफपीओ लघु व सीमांत किसानों का एक समूह होगा, जिससे उससे जुड़े किसानों को न सिर्फ अपनी उपज का बाजार मिलेगा बल्कि खाद, बीज, दवाइयों और कृषि उपकरण आदि खरीदना आसान होगा। सेवाएं सस्ती मिलेंगी और बिचौलियों के मकड़जाल से मुक्ति मिलेगी। एफपीओ का गठन और बढ़ावा देने के लिए अभी लघु कृषक कृषि व्यापार संघ और राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक काम कर रहे हैं। दोनों संस्थाओं के मिलाकर करीब पांच हजार एफपीओ रजिस्टर्ड हैं। केंद्र सरकार इसे और बढ़ाना चाहती है। इसलिए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (NCDC) को भी इसकी जिम्मेदारी दे दी गई है।

ओजस्वी नृत्य कला केंद्र में हुआ दो दिवसीय राजस्थानी लोक नृत्य कार्यशाला का आयोजन

सीकर (हमारा वतन)। ओजस्वी नृत्य कला केंद्र सीकर की ओर से लोक नृत्य कलाओं को बढ़ावा देने हेतु कार्यशाला का प्रथम दिन बहुत ही ख़ास रहा जिसमें भाग लेने वाले 6 वर्ष से 54 वर्ष के बच्चे, युवा एवं महिलाओं ने घूमर,चरी जैसे खुबसूरत नृत्यों की बारीकियों को जाना और एवम नृत्यों में प्रयोग आने वाली सामग्री जैसे, परात पर चढ़कर नाचना, सिर पर मटका रख चरी नृत्य करना इत्यादि गुण अंतर्राष्ट्रीय नृत्यांगना निष्ठा अग्रवाल के

प्रशिक्षण हेतु सीखे।आयोजक फाउंडर ओजस्वी नृत्य कला केंद्र सिमरत कौर खोसला ने बताया यह कार्यशाला नवीन पीढ़ी को अपनी संस्कृति से जोड़े रखने के प्रयास हेतु रखी गई है। जिसका पहला दिन सभी के लिए बहुत ही मनोरंजक रहा।

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने वाहन चालकों को बांटे मफलर

चौमूं (हमारा वतन)। तारा ज्योतिष साधना केंद्र जयपुर के अध्यक्ष और अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता पंडित रविंद्र आचार्य ने कालाडेरा थाना अधिकारी हरबेन्द्र सिंह के सानिध्य में एक अनूठी पहल शुरू कर दुपहिया वाहन चालकों को मफलर वितरित किए। पंडित रविंद्र आचार्य ने बताया कि मकर सक्रांति के दौरान मांझे से वाहन चालकों के गर्दन में कट लगने का डर रहता है, इससे बचाव के लिए मफलर बांटे गए हैं । थानाधिकारी हरबेन्द्र सिंह ने बताया कि सभी दुपहिया वाहन चालकों को अपनी

सुरक्षा के लिए गले पर मफलर बांधकर गाड़ी चलानी चाहिए, साथ ही हेलमेट भी लगाना चाहिए । इस दौरान पंडित राकेश शर्मा, राहुल दाधीच, हेड कांस्टेबल बाबूलाल सहित कई लोग मौजूद रहे ।

खादी भारत
Khadi India
खादी के उत्पाद खरीद कर देश को आत्मनिर्भर बनाएं

बेशरम रंग में दीपिका पादुकोण के इन सीन्स पर चली सेंसर बोर्ड की कैंची, नहीं दिखेगा साइड पोज और...

सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन, सीबीएफसी ने शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म पठान में कई बदलावों का सुझाव दिया था, जिसमें उनके विवादित गाने बेशरम रंग में भी बदलाव शामिल थे। इसके अलावा डायलॉग में बदलाव के साथ कई सीन को सेंसर किए जाने के लिए कहा गया था। सीबीएफसी ने फिल्म पठान में 10 से अधिक कट लगाने के लिए कहा था। बेशरम रंग गाने में भी कट लगाने के लिए कहे गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि बटक्स के क्लोज अप शॉट्स, साइड पोज़ (आंशिक नग्नता) शॉट्स और बहुत तंग किया गाने के बोल के दौरान डांस मूव्स के सीन को सेंसर कर दिया गया है और उन्हें उपयुक्त शॉट्स से बदल दिया गया है। हालांकि, यह कंफर्म नहीं है कि दीपिका पादुकोण के विवादित ऑरेंज स्विमसूट को सेंसर किया गया है या नहीं। अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रॉ शब्द की जगह हमारे, लंगड़े लुले की जगह टूटे फूटे, पीएम की जगह राष्ट्रपति या मंत्री और 13 जगह से पीएमओ शब्द हटा दिया गया है। अशोक चक्र को वीर पुरस्कार, पूर्व-केजीबी को पूर्व-एसबीयू और मिसेज भारतमाता को हमारी भारतमाता से बदल दिया गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि स्कॉच शब्द को ड्रिंक से बदल दिया गया था जबकि फिल्म में दिखाई देने वाले टेक्स्ट ब्लैक प्रिजन, रूस को ब्लैक प्रिजन से बदल दिया गया था।

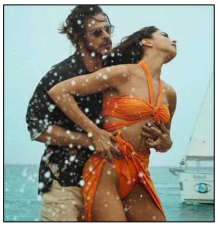

तारा सुतारिया ने आदर जैन से ब्रेक-अप की अफवाहों पर दिया ऐसा रिएक्शन

तारा सुतारिया अपने बॉयफ्रेंड आदर जैन से ब्रेक-अप की अफवाहों के बीच एयरपोर्ट पर दिखीं। मुंबई एयरपोर्ट पर तारा सुतारिया से मीडिया ने इस कथित ब्रेक अप से जुड़े सवाल भी किए। जब से उनके ब्रेकअप की खबरें ऑनलाइन आई हैं उसके बाद से अभिनेता तारा सुतारिया ने पहली सार्वजनिक आउटिंग पर दिखीं। लंबे समय से उनके और आदर जैन के रिलेशन में होने के के चर्चे रहे हैं। कई जगहों और फंक्शन में उन्हें साथ भी देखा गया। हालांकि, कुछ हालिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि दोनों अब अलग हो गए हैं। तारा को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। वह दिल्ली जा रही थी। ट्रैवलिंग के लिए तारा ने ब्लैक ड्रेस पहनी थी, जिसके ऊपर ब्राउन कोट था। उन्होंने इसे ब्लैक बूट्स और ब्लैक सनग्लासेज के साथ पेयर किया और साथ ही उन्होंने एक बैग भी कैरी किया। सोशल मीडिया पर शेयर हो रही वीडियो में देख सकते हैं कि तारा सुतारिया ने मुस्कुराते हुए पैपराजी को पोज दिए। हाथ भी हिलाया। जब तारा हवाई अड्डे के टर्मिनल गेट की ओर जा रही थी, तो मीडिया के किसी व्यक्ति ने उससे पूछा, तारा जी जो लेख आ रहा है आपके नाम से वो सच है क्या? ब्रेक अप और सब।तारा इस सवाल पर केवल मुस्कुराई और कोई जवाब नहीं दिया। वह गेट की ओर चलती रही। वह एक बार कैमरे के लिए मुड़ी और मीडिया को धन्यवाद दिया। इस साल की शुरुआत में, ईटाइम्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया था कि तारा सुतारिया और आदर जैन अलग हो गए हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि दोनों दोस्त बने रहेंगे क्योंकि वे अभी भी एक-दूसरे की परवाह करते हैं।

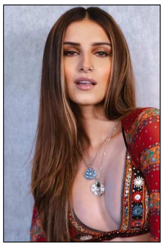

Urfi Javed अपने खिलाफ पुलिस शिकायत पर बोलीं या तो मैं खुद मर जाऊं या वो मुझे मार देंगे

बिग बॉस ओटीटी कंटेस्टेंट रहीं उर्फी जावेद अपने बोल्ड लुक के लिए फेमस हैं। इस बार वो फिर विवाद से घिर गई हैं। उर्फी ने अब भाजपा नेता चित्रा वाघ द्वारा उनके खिलाफ दर्ज की गई पुलिस शिकायत पर खुलकर बात की है। महाराष्ट्र में भाजपा के महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष चित्रा वाघ ने हाल ही में अभिनेत्री पर मुंबई की सड़कों पर सार्वजनिक रूप से नग्नता में शामिल होने का आरोप लगाया और उर्फी को गिरफ्तार करने की मांग की।

उर्फी जावेद ने चुप्पी तोड़ी-पूर्व बिग बॉस ओटीटी प्रतियोगी, उर्फी ने दो इंस्टाग्राम स्टोरीज शेयर कीं, जहां उन्होंने चित्रा वाघ की दर्ज पुलिस शिकायत पर खुलकर बात की। एक पापराजी अकाउंट से उर्फी ने एक पोस्ट को री-शेयर करते हुए चित्रा वाघ की ओर इशारा करते हुए लिखा, ये वही महिला हैं जो संजय राठौड़ की गिरफ्तारी के लिए चिल्ला रही थीं जब वो एनसीपी में थीं, तब उनके पति को रिश्वत लेते पकड़ा गया था, अपने पति को बचाने के लिए वो बीजेपी में शामिल हो गए और उसके बाद संजय या चित्रा काफी अच्छे दोस्त बन गए। मैं भी बस बीजेपी ज्वाइन करने वाली हूं। फिर हम सबसे अच्छे दोस्त होंगे।

आत्महत्या पर बोलीं उर्फी-अभिनेत्री ने एक दूसरी स्टोरी भी साझा की जहां उन्होंने आत्महत्या करने की बात कही। उर्फी ने लिखा, मुझे पता है कि यह राजनेताओं के खिलाफ कुछ अपलोड करना काफी खतरनाक है, लेकिन फिर भी ये लोग

मुझे वैसे भी आत्मघाती बना रहे हैं, इसलिए या तो मैं खुद को मारूं या अपने मन की बात कहूं और उनके द्वारा मारी जाऊं) लेकिन फिर से हाय, मैंने इसे शुरू नहीं किया, मैंने कभी किसी के साथ कुछ गलत नहीं किया वे बिना किसी कारण के मेरे पीछे आ रहे हैं।दरअसल, इससे पहले वाघ ने ट्वीट किया था, मुंबई में क्या हो रहा है? क्या मुंबई पुलिस के पास इस महिला को रोकने के लिए कोई आईपीसी/सीआरपीसी की धारा है, जो मुंबई की सड़कों पर खुलेआम नग्नता में लिप्त है?

दुल्हन बनने की तैयारी है, तो जान लें उन चीजों के बारे में जिनसे बचना है जरूरी

क्या आप अपनी शादी पर गॉर्जियस दिखने के लिए नए ट्रीटमेंट्स को डीडे पर लेने का मन बना रही हैं, तो ज़रा संभल कर रहें, कहीं ये ट्रीटमेंट्स आपके उस खास दिन को खराब न कर दें। एक वो दौर हुआ करता था, जब होने वाली दुल्हन विदाई के दिन गिन गिनकर महीनों पहले से ही आंसू बहाने लगती थी। मगर अब वक्त बदल चुका है और अब होने वाली ब्राइडस पहले से ज्यादा कूल हो चुकी हैं। वो विदाई से ज्यादा वेडिंग ड्रेस, गहनों, मेकअप, ब्यूटी और अपनी फिटनेस को लेकर बेहद पोज़ेसिव रहती हैं। इसमें कोई दोराय नही कि शादी की तैयारियां करते करते वक्त कैसे बीत जाता है, मालूम ही नही पड़ता। तो ऐसे में अपने डी डे को और भी खूबसूरत बनाने के लिए आपको कुछ चीजों को फॉलो करना और कुछ को अवॉइड करना शुरू कर देना चाहिए। चलिए जानते हैं उन ब्यूटी ट्रीटमेंट्स के बारे में जिनसे दूर रहना ही होने वाली दुल्हन के लिए समझदारी है।फैशन के इस दौर में डिज़ाइनर कपड़े, बैग और ब्यूटी ट्रेंड का फॉलो करना अच्छी बात है। मगर शादी के दिन जब नज़दीक हो ऐसा कोई भी रिस्क लेने से बचना चाहिए। जैसे ये सभी जानते है कि बैंगन को खाने से एलर्जी होनी स्वाभाविक है। ठीक उसी तरह से आप इस बात से पूरी तरह से बेखबर होते है कि किस ब्यूटी या हेयर प्रोडक्ट का आपकी त्वचा या बालों पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

1 स्किन ब्लीचिंग बन सकती है खुजली का कारण-बहुत सी युवतियां स्किन फेयरनेस के लिए ब्लीच फस पर अप्लाई करती है। मगर ब्लीच में हाइड्रोजन पेरोक्साइड पाया जाता है, जो त्वचा का रंग निखारने की बजाय खुजली, रेडनेस और जलन पैदा कर सकता है। इस बारे में डॉण् दास ने कहा कि हल्दी फंक्शन से पहले ब्लीचिंग करना सेफ नहीं है। अन्यथा त्वचा संबंधी समस्याएं पनप सकती है। उन्होंने इसकी जगह डर्मा्लानिंग को एक सुरक्षित विकल्प बताया है। जो चेहरे को निखारता है और डेड स्किन को हटाने का काम करता है।

2 बिना सोचे किसी भी हेयर रिमूवल मैथड को न फॉलो करें-अगर आप अपने हेयर रिमूव करना चाहते हैं, तो इस काम के लिए वेडिंग वाले दिन को चुनने की गलती न करें। एक्सपर्ट के मुताबिक वैक्सिंग या लेजर हेयर रिमूवल जैसी कोई भी हेयर रिमूवल मेथड को शादी के दिन से कम से कम एक हफ्ते पहले कर लेना चाहिए। इससे आप स्किन पर होने वाले रैशेज़ यां लालिमा को आसानी से दूर कर सकते हैं। इसके अलावा उन्होंने हेयर रिमूवल के तुरंत बाद अपनी स्किन को हाइड्रेट करने के लिए अच्छी तरह से मॉइस्चराइज करने का सुझाव दिया।

आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है खाली पेट कॉफी पीना, यहां जानिए इसके साइड इफेक्ट

कुछ लोगो को सुबह बिस्तर पर उठते ही कॉफी पीने की आदत होती है पर क्या आपको पता है ये आदत आपके लिए कितनी नुकसानदायक हो सकती है। कुछ लोगो को चाय या कॉफी की लत इतनी बूरी तरह होती है कि बिना इसके वो अपना दिन भी शूरू नहीं कर पाते है। जब तक उन्हे चाय या कॉफी न मिले वो कोई काम नहीं कर पाते है। कुछ लोगो को तो इतनी बूरी तरह ये आदत जकड़ लेती है कि बिना कॉफी के उनका सर दर्द होने लगता है।कॉफी पीना आपके शरीर के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन अगर आप इसे सुबह खाली पेट पीते हैं तो यह हानिकारक भी हो सकता है। जब आप खाली पेट कॉफी पीते हैं, तो इससे आपके पाचन तंत्र में हाइड्रोक्लोरिक एसिड रिलीज हो सकता है। कॉफी हाइपरटेंशन का भी कारण बन सकती है। गर्भवती महिलाओं को इसका खतरा और आधिक बढ़ जाता है। Centers for Disease Control and Prevention के अनुसार, यूनाइटेड स्टेट में गर्भवती महिलाओं में हाइपरटेंशन की संख्या बढ़ी है।अमेरिकन प्रेगनेंसी एसोसिएशन के अनुसार, उच्च रक्तचाप लगभग 6 से 8 प्रतिशत गर्भवती महिलाओं को प्रभावित करता है।

धर्म दर्शन

माघ मास महत्व, जानें क्या करें क्या न करें

माघ मास शुरु हो चुका है। माघ मास में ही सूर्य मकर राशि में प्रवेश करते हैं। यह माह बहुत ही पवित्र माना जाता है। इस महीने कई सारे पवित्र त्योहार आते हैं। माघ मास से जुड़े कुछ नियम है जिसका पालन करने से आपको काफी लाभ मिलेगा। तो आइए जानते हैं माघ मास का महत्व और इससे जुड़े नियम।

माघ मास का महत्व माघ मास को लेकर एक पौराणिक कथा है जिसके अनुसार, माघ मास में गौतम ऋषि ने इंद्रदेव को श्राप दिया था। जब इंद्रदेव ने उनसे क्षमा याचना मांगी तो गौतम ऋषि ने माघ मास में गंगा स्नान कर प्रायश्चित करने को कहा। तब इंद्रदेव ने माघ मास में गंगा स्नान किया था। इसके बाद इंद्रदेव को श्राप से मुक्ति मिल गई थी। इसलिए माघ पूर्णिमा और अमावस्या के दिन का स्नान पवित्र माना जाता है।

माघ के महीने में क्या करें

1. माघ माह में गंगा स्नान का बड़ा महत्व है। अगर आप गंगा घाट जाकर स्नान नहीं कर सकते तो घर में ही नहाने के पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान कर लें।

माघ मास में रोजाना गीता का पाठ करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु का आशीर्वाद मिलता है और जीवन में सुख समृद्धि बनी रहती है।

2. इस महीने में रोजाना तिल का सेवन करना चाहिए। साथ ही जल में तिल मिलाकर ही स्नान भी करना चाहिए। ऐसा करने से व्यक्ति को बहुत पुण्य मिलता है। इसके अलावा माघ मास में रोजाना तुलसी की पूजा करनी चाहिए।

गरुड पुराण में आत्महत्या को माना है घोर अपराध, जानें आत्महत्या के बाद आत्मा का क्या होता है?

18 महापुराणों में गरुड़ पुराण को बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि इसका सीधा संबंध भगवान विष्णु से है। गरुड़ पुराण में कई ऐसी बातें बताई गई हैं, जिन्हें जानने के बाद व्यक्ति सद्मार्ग पर चलने लगता है। जो व्यक्ति गरुड़ पुराण की बातों को ध्यान में रखकर जीवनयापन करता है, उसे सदा सफलता ही प्राप्त होती है। इन सभी के साथ इसमें जीवन, मृत्यु, स्वर्ग, नर्क व विभिन्न प्रकार के कर्म और उनके फल के विषय में विस्तार से बताया गया है। साथ ही यह भी बताया है अकाल मृत्यु कैसे होती है और क्यों होती है? साथ ही आत्महत्या को क्यों घोर अपराध माना जाता है? गरुड़ पुराण के इस भाग में जानिए अध्यात्मिक रूप से क्या है आत्महत्या के दुष्परिणाम।

मृत्यु और अकाल मृत्यु में अंतर क्या है?

गरुड़ पुराण में भगवान विष्णु ने बताया है कि जो व्यक्ति जीवन के सभी 7 चक्रों को पूरा कर लेता है, उसे मृत्यु के बाद मोक्ष की प्राप्ति होती है। लेकिन जो इन 7 चक्रों में से किसी एक को भी अधूरा छोड़ देता है, वह अकाल मृत्यु का भोगी होता है। ऐसी आत्मा को कई प्रकार के कष्ट भोगने पड़ते हैं। गरुड़ पुराण में यह भी बताया है कि भूख से पीड़ित होकर, हिंसा से, फांसी लगाकर, आग से, सांप का काटना, जहर पीकर आत्महत्या कर मृत्यु प्राप्त करना, यह सब अकाल मृत्यु की श्रेणी में आता है।

जीभ के रंग और बनावट से जानें व्यक्ति की खूबियां, करियर और कारोबार का हाल

आपने अक्सर देखा होगा की जब कोई व्यक्ति ज्यादा बोलता है तो उसे कह देते हैं कि उसकी जीभ बहुत लंबी है। लेकिन, क्या आप जानते हैं सामुद्रिक शास्त्र में व्यक्ति की जीभ के जरिए आप व्यक्ति के व्यक्तित्व, व्यवहार और भूत भविष्य के बारे में काफी जानकारी मिल सकती है। तो आइए जानते हैं आपकी जीभ आपके बारे में क्या कहती है।

अगर जीभ थोड़ी काली हो तो सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की जीभ काली होती है या फिर कालिमा लिए हुए होती है तो उनको कार्यक्षेत्र में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार ऐसे लोग नौकरी तो करते हैं लेकिन बहुत अधिक समय तक एक ही तरह की नौकरी करने में दिक्कत आ सकती हैं। अगर ऐसे लोग व्यवसाय करते हैं तो उसमें भी लगातार बदलाव करते रहते हैं। यानि करियर को लेकर अनिश्चितता की स्थिति इनके जीवन में बनी रहती है।

दो रंग की जीभ जिन लोगों की जीभ का रंग एक समान न हो यानि जीभ अलग-अलग रंग की हो तो ऐसे लोग बहुत जल्दी बुरी संगति में पड़ सकते हैं।

साथ ही ऐसे लोग नियमों का उल्लंघन भी कर सकते हैं। सेहत को लेकर भी परेशानियों का सामना ऐसे लोगों को करना पड़ सकता है।

मोटी जीभ वाले लोग जिन लोगों की जीभ मोटी होती है उनकी वाणी कठोर हो सकती है। ऐसे लोग भले ही दिल के बुरे न हो लेकिन इनके बोलने की शैली कुछ ऐसी होती है कि लोग इन्हें गलत समझने लगते हैं। इसलिए ऐसे लोगों को वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए और सोच-समझकर लोगों के सामने अपनी बातें रखनी चाहिए।

हमारा वतन

खबरों, विज्ञापन एवं सदस्यता के लिए सम्पर्क करें ।

Email-
hamarawatan65@gmail.com
9214996258, 7014468512

टिकिट

हमारा वतन साप्ताहिक
HamaraWATANWeekly संस्थापित 1965
राष्ट्रीय विचारधारा की सर्वोत्तम अभिव्यक्ति का प्रतीक

क्या ख़ाक़ लिखे कोई, बरगश्ता ज़माना है,
कांटों पै भी चलना है, दामन भी बचाना है।

अति आवश्यक सूचना

पाठकों व विज्ञापनदाताओं से निवेदन है कि जिनका सालाना सदस्यता शुल्क व विज्ञापनों का भुगतान नहीं हो पाया है वे अपना शुल्क 'हमारा वतन के नाम से खाता संख्या 61079058819' एसबीआई (IFSC Code- SBIN0004227) में या 9214996258 पर फोन-पे, पेटीएम, गुगल-पे पर जमा कराकर सूचित करें।

– सम्पादक

पुनीत प्रतिष्ठा में :-

आर्थिक विकास को आगे खींचने में सक्षम भारत

राम गोपाल सैनी

नव वर्ष हर किसी के लिए नई उमंग लेकर आता है। निजी जीवन में सुखद भविष्य के साथ ही सभी को यह उम्मीद भी होती है कि देश का विकास तेजी के साथ हो और इसका लाभ हर एक को मिले। यदि देश का माहौल सकारात्मक हो तो देशवासियों का जीवन भी सकारात्मकता से भरपूर रहता है। आजादी के बाद से जहां कई वर्ष माहौल सकारात्मक रहा, वहीं कई वर्ष ऐसे भी रहे, जब देश के सामने गंभीर चुनौतियां रहीं। यह स्पष्ट है कि अंतरराष्ट्रीय कारणों के चलते नए वर्ष में देश के सामने आर्थिक चुनौतियां रहेंगी, फिर भी यह वर्ष संभावनाओं भरा दिख रहा है।बीते वर्ष कोविड के बाद विश्व की आर्थिक स्थिति के पटरी पर लौटने की जो उम्मीद जगी थी, वह पूरी नहीं हो पाई। यूक्रेन और रूस के युद्ध ने आर्थिक मोर्चे पर विश्व के सामने तमाम चुनौतियां पेश कर दीं। जहां यूरोप मंदी का सामना कर रहा है, वहीं अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने से उसकी विकास की गति थमी है। जब विकसित देश मंदी की चपेट में आते हैं तो उसका सीधा असर विकासशील देशों पर पड़ता है। विकासशील देश होने के कारण भारत भी अछूता नहीं रहेगा। यह तो मोदी सरकार की कूटनीतिक सफलता रही कि पिछले वर्ष विश्व के प्रमुख देशों की तमाम आपत्तियों के बाद भी भारत ने रूस से तेल खरीदना जारी रखा। इसके कारण भारत रूस-यूक्रेन युद्ध के असर से एक हद तक बचा रहा। पिछले वर्ष भारत की विकास दर विश्व के तमाम देशों की तुलना में बेहतर रही।कुछ आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि नए वर्ष के पहले चार-पांच महीने चुनौतीपूर्ण रहेंगे, पर यदि सरकार का आम बजट विकासोन्मुख हो और उसमें लोक लुभावन नीतियों की भरमार न हो तो चुनौतियों से निपटा जा सकता है, लेकिन ऐसा तभी होगा, जब उदयोग जगत अपनी कर्मठता दिखाए। विश्व में मंदी के माहौल के बाद भी भारत अपने दम पर आर्थिक विकास को आगे खींच सकता है।

राजस्थान में पहली बार बनी ऐसी अथॉरिटी; हर जिले में खुलेगा ऑफिस, बनेंगी टीमें

सरकार घर-घर जाकर पूछेगी- दवा,पेंशन मिली या नहीं?

जयपुर(नि.सं.)।आपको मुफ्त राशन मिल रहा है या नहीं? कोई फ्री राशन के बदले पैसा तो नहीं मांग रहा है? अस्पताल में दवाई फ्री मिल रही है या नहीं? डॉक्टर बाहर की पर्ची को नहीं लिख रहे हैं? अब ये सवाल सरकार के अफसर ग्राउंड लेवल पर जाकर आम जनता से पूछेंगे। केवल कागजी कार्रवाई नहीं होगी। मौके पर ही ऑनलाइन रिपोर्ट बनकर उस डिपार्टमेंट के पास पहुंचेगी जिसे खुद सीएम गहलोत हेंडल करते हैं। मकसद है दवा, पेंशन, राशन जैसी योजनाओं को जिस उद्देश्य से शुरू किया गया था, उनका फायदा आप तक पहुंचा या नहीं? प्रदेश में पहली बार सरकारी योजनाओं की ऑडिट के लिए ऐसी अथॉरिटी बनाई गई है जो आईएएस अधिकारी की देखरेख में काम करेगी। हर जिले की अलग टीम बनेगी और दफ्तर भी खुलेगा। टीम से जुड़े मेंबर स्कीम में किसी भी प्रकार की शिकायत मिलने पर हाथों हाथ रिपोर्ट बनाकर सबमिट करेंगे। यह ऑडिट दो तरह से होगी। पहली सोशल

ऑडिट जिसमें देखा जाएगा कि जो काम होना था वो हुआ या नहीं। दूसरी होगी परफॉर्मेंस ऑडिट जिसमें यह पता लगाया जाएगा कि जिस उद्देश्य से स्कीम या प्रोजेक्ट शुरू किया गया था, वो पूरा हुआ या नहीं। इस अथॉरिटी का काम कैसे होगा, इससे आम आदमी को क्या फायदा मिलेगा? सरकार ने इस काम के लिए अलग से अथॉरिटी बनाई है। इस अथॉरिटी के जरिए यह पता लगाया जाएगा कि जनता से जुड़ी योजनाओं और विभागों के काम का लोगों को कितना फायदा मिल रहा है? कहां गड़बड़ हो रही है? इस अथॉरिटी में अतिरिक्त आयुक्त और सहायक आयुक्त की नियुक्ति भी कर दी गई है। यह अथॉरिटी फाइनेंस डिपार्टमेंट के अंदर में काम करेगी, जो फिलहाल खुद मुख्यमंत्री के पास है। अथॉरिटी अपनी ऑडिट रिपोर्ट फाइनेंस डिपार्टमेंट के मुखिया को सौंपेगी। नरेश ठकराल का कहना है कि आने वाले दिनों में हम संभाग और जिला स्तर पर ऑफिस शुरू कर देंगे। यह अथॉरिटी खुद के स्तर पर काम तो करेगी ही, साथ ही फिक्स सैलरी पर एक्सपर्ट्स का भी सहयोग लेगी। योजनाओं के हिसाब से अथॉरिटी तय कर सकेगी कि अपनी टीम बनाकर ऑडिट कराई जाए या एक्सपर्ट्स से टाइअप करके ऑडिट कराई जाए। अभी अथॉरिटी के रूल्स और मैन्युअल बनाए जा रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, पानी सहित सरकार के सभी विभागों की ऑडिट के लिए पूरे साल का कैलेंडर तय किया जाएगा और इसके हिसाब से सोशल और परफोर्मेंस ऑडिट होगी।

जो भी टीम जिस विभाग की योजना या प्रोजेक्ट की ऑडिट करने के लिए जाएगी, वह मौके से ही अपनी रिपोर्ट सबमिट करेगी।

30 जिलाध्यक्षों के पद खाली

कांग्रेस ने 88 ब्लॉक अध्यक्षों की और नियुक्ति की

जयपुर(नि.सं.)। कांग्रेस में खाली पड़े संगठन के पदों को भरना शुरु कर दिया है। दो दिन बाद कांग्रेस ने 88 ब्लॉक अध्यक्षों के पदों पर नियुक्तियों की एक और सूची जारी की है। दो दिन पहले 100 ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्ति की गई थी। दो दिन में 188 ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त हो चुके हैं। कांग्रेस में कुल 400 ब्लॉक हैं, अब भी 212 ब्लॉक बिना अध्यक्षों के हैं, जिन पर नियुक्तियां बाकी हैं।

अब तक हुई ब्लॉक अध्यक्षों की नियुक्तियों में विधायकों की राय को अहमियत दी गई है। अजमेर, बाड़मेर, बांसवाड़ा,चूरू, दौसा, जयपुर, जोधपुर, नागौर, प्रतापगढ, राजसमंद सीकर, सिरोही टोंक जिलों में ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किए गए हैं।

प्रदेश में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 20 लाख जुड़े नये मतदाता

जयपुर(नि.सं.)। राज्य में निर्वाचन विभाग द्वारा पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान 199 विधानसभा क्षेत्रों में 19 लाख 89 हजार 182 नवीन मतदाताओं के नाम जोड़े हैं, जिनमें 10 लाख 18 हजार 685 महिला मतदाता और 9 लाख 70 हजार 497 पुरूष मतदाता हैं। अन्तिम प्रकाशन की तिथि तक राज्य में कुल 5 करोड़ 11 लाख 64 हजार 685 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 2 करोड़ 44 लाख 72 हजार 600 महिला मतदाता तथा 2 करोड़ 66 लाख 92 हजार 49 पुरूष मतदाता शामिल हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री प्रवीण गुप्ता द्वारा गुरूवार को यहाँ शासन सचिवालय में राज्य के सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र के अतिरिक्त शेष समस्त 199 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त मतदाता सूचियों का अन्तिम प्रकाशन किया गया। उन्होंने बताया कि सरदारशहर विधानसभा क्षेत्र में विधान सभा उप-चुनाव होने से इसकी अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 13 जनवरी 2023 को किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि महिला मतदाताओं की संख्या में 2.52 प्रतिशत तथा पुरूषों की संख्या में 2.36 प्रतिशत की वद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि 19 लाख 80 हजार 364 नवीन मतदाताओं का मोबाइल नम्बर दर्ज होने से वे अपना ई-इपिक, वोटर हैल्प लाइन एप तथा एनवीएसपी (www.nvsp.in) के माध्यम से डाउनलोड कर सकते हैं।

(गीत) खबर कर रहें हैं

तेरे ख्वाब मुझमें बसर कर रहें हैं
धीरे -धीरे मुझमें ये घर कर रहें हैं

तुम खो गए हो, न तुमको पता है
तुम्हे हम तुम्हारी खबर कर रहें हैं

तुम तो हसीन सा एक वाकया हो
न पूछो मेरे लिए के तुम क्या हो

हो समाए मेरी रग- रग में जानां
शब्दों से तुम्हारी नजर कर रहें हैं

तुम खो गए हो, न तुमको पता है
तुम्हे हम तुम्हारी खबर कर रहें हैं

हमें चाहतों की जो जायदाद दी है
शायद ये मर्जी भी कायनात की है

तुम्हारे बिना सब कुछ है लगता पराया
तुम्हे क्या पता कैसे गुजर कर रहें हैं

तुम खो गए हो, न तुमको पता है
तुम्हे हम तुम्हारी खबर कर रहें हैं

क्या तुमसे तुम्हारी लड़ाई हुई है?
तुम्हारी याद तुमसे क्यूँ पराई हुई है

चले जाओगे तो मैं तन्हा रहूँगा
ये जताना नहीं था मगर कर रहें हैं

तुम खो गए हो, न तुमको पता है
तुम्हे हम तुम्हारी खबर कर रहें हैं

-सिद्धार्थ गोरखपुरी

मनरेगा के तहत 11.37 करोड़ परिवारों को मिला रोजगार

नई दिल्ली(एजेंसी) । ग्रामीण विकास मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि महात्मा गांधी राष्टीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत 11.37 करोड़ परिवारों को रोजगार प्रदान किया गया, जबकि कुल 289.24 करोड़ व्यक्ति-दिवस रोजगार सृजित हुए। मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) के तहत कुल 2.50 करोड़ घरों को मंजूरी दी गई है, जिनमें से 2.11 करोड़ घरों को 15 दिसंबर, 2022 तक पूरा कर लिया गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में कुल 52.78 लाख आवास निर्माण के लक्ष्य के विरुद्ध कुल 31.43 लाख आवास पूर्ण किये जा चुके हैं।

RNI No. 10311/1965
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल बाहर, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित , मो. 9214996258, 7014468512
संरक्षक : बाबूलाल सैनी मो: 7296873757
सहायक सम्पादक: राकेश तिवाड़ी
प्रबंध सम्पादक : वली मोहम्मद कुरैशी, मो. 9929610759
सभी प्रकार के वाद-विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर शहर होगा